OM SHANTI MEDIA - JULY- II - 2022 DELHI FINAL FILE_Page 1 and 2 6/28/2022 9:37 AM Page 4

शास्त्रों में परमात्मा को सर्वव्यापी कहने का भाव

आज देखो प्रकृति के अन्दर भी ये गुण है कि अग्नि के अन्दर लोहा रखो तो अग्नि के संग में जब लोहा आता है तो वो भी अग्नि के समान लाल हो जाता है। संग का रंग। इसी तरह मनुष्य भी थोड़े दिन किसी के संग में रहता है ना तो उसे भी संग का रंग लग जाता है। मनुष्य तो छोड़ो पशु-पक्षी को भी संग का रंग लग जाता है। वो कहानी याद आती है कि एक शिकारी दो तोते पकड़ कर ले आया और बाजार में बेचने बैठा। एक तोते को महात्मा अपने आश्रम पर ले गये, दूसरे तोते को एक बदमाश अपने अड्डे पर ले गया। थोड़े दिन के बाद देखा गया कि जो तोता महात्मा जी के आश्रम पर गया था वो सुबह-सुबह राम-राम बोल रहा था, और जो तोता बदमाश के अड्डे पर गया था वो तोता सुबह-सुबह गालियां दे रहा था। इसी तरह अगर परमात्मा हम सब की बाजू में बैठा है, पारस है और उस पारस के बाजू में बैठने के बाद भी हम दिन-प्रतिदिन गिरते ही गए, अधोगति होती गई ये हो सकता है क्या! ये तो परमात्मा का सबसे बड़ा अपमान कहेंगे कि उसके बाजू में बैठने के बाद भी उसके अन्दर इतनी क्षमता नहीं है कि हमें पारस बना सके! तो बैठने का कोई मतलब नहीं। तो बात आती है सर्वव्यापी की, कहते ये बात शास्त्रों में भी आती है, तो क्या शास्त्र गलत हैं? नहीं शास्त्र गलत नहीं हैं, लेकिन शायद शास्त्रों में जिस भाव से लिखा गया है उस भाव को हमने समझा ही न हो, ये तो हो सकता है? शास्त्र किसने लिखे? ऋषि मुनियों ने लिखे। और ऋषि मुनियों ने ये शास्त्र किस आधार पर लिखे? अनुभव के आधार पर। उन्होंने ईश्वर की जो अनुभूति की, तो उस अनुभूति को शब्दों में बांधने का प्रयत्न किया। लेकिन वास्तव में अनुभूति को शब्दों में बांधा नहीं जा सकता। और इसीलिए मनुष्य ने कहीं न कहीं मिसअंडरस्टैण्ड कर लिया, कुछ का कुछ समझ लिया।

ब्र.कु. उषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

जिस तरह से कहा जाता है कि पहले के ऋषि-मुनि जो थे वो जब साधना करते थे तो समय के अंतराल से गुजर सकते थे। और जब कलिकाल को देखते थे तो कितना घोर पाप होगा। मनुष्य को पाप कर्म से बचायें कैसे? तब उन्होंने शास्त्रों में ये बात लिखी कि हे मानव! तू जो पाप कर रहा है तो ये मत समझना कि तूझे कोई देख नहीं रहा,क्योंकि ईश्वर सर्वव्यापी है, कण-कण में है वो तूझे देख रहा है। अन्दर में भावना जागृत करने का प्रयत्न किया। ताकि मनुष्य पाप-कर्म न करे। जिस तरह बच्चा जब घुटनों के बल चलना सीखता है तो वो घड़ी-घड़ी बाहर जाने की कोशिश करता है और उस समय माँ को बहुत ध्यान रखना पड़ता है कि कहीं रास्ते पर न निकल जाये। तो माँ उस बच्चे को रास्ते तक ले जायेगी। बाहर एक कुत्ता दिखायेगी, एक गाय दिखायेगी और कहेगी कि अगर बाहर गया ना तो ये कुत्ता उठा ले जायेगा तूझे, ये गाय उठा ले जायेगी। माँ खुद भी समझती है कि गाय कोई उठाकर ले जाने वाली नहीं है। लेकिन बच्चे की सुरक्षा उसके लिए प्रथम है। इसलिए हम ये नहीं कह सकते कि माँ ने झूठ क्यों बोला?

फिर दुबारा जब वो बच्चा घुटने के बल दरवाजे तक जाता है जैसे ही कुत्ते को, गाय को बाहर देखता है तो वो अन्दर आ जाता है। और खुशी प्रगट करता है कि मैं सुरक्षित हूँ, लेकिन वही बच्चा अगर थोड़ा बड़ा हो जाये, चार-पाँच साल का हो जाये उसके बाद उसको कह के देखो कि बाहर गया तो कुत्ता उठाकर ले जायेगा। हँसेगा अपनी माँ पर। मेरी माँ कैसी है इतना भी नहीं समझती है। वो हँसता हुआ बाहर चला जाता है और कुत्ते के बच्चे को उठाकर घर के अन्दर ले आता है, लो मैं ही लेके आ गया। ठीक इसी तरह ऋषि-मुनियों ने भावना बिठाने का प्रयत्न किया था ताकि मनुष्य पाप कर्म न करे।

पटना-कंकड़बाग(बिहार)। ब्रह्माकुमारीज़ के आध्यात्मिक कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद। साथ हैं सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. संगीता बहन।

मालपुरा-जयपुर(राज.)। 'राजयोग द्वारा व्यसन मुक्त जीवन' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए डॉ. आर.सी. शर्मा,प्रधान वैज्ञानिक,अविकानगर, किशन लाल बेरवा,जिला परिषद सदस्य, भंवर लाल गुर्जर,वरिष्ठ अध्यापक, ब्र.कु. जीत बहन, तथा ब्र.कु. प्रियंका बहन।

सम्बलपुर-ओडिशा। 'डिवाइन किड्स कैम्प' में बच्चों को पुरस्कृत करते हुए ब्र.कु. पार्वती दीदी। साथ हैं विकास स्कूल की अध्यक्षा बहन वि. सैलेजा, ब्र.कु. बिनी बहन तथा ब्र.कु. ज्योति बहन।

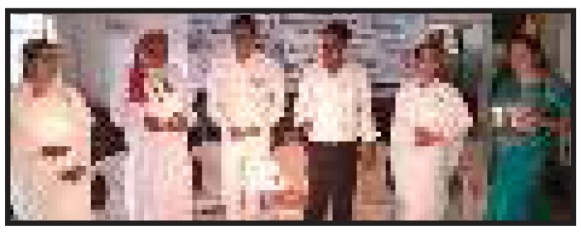

करेली-राज.। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ के प्रभु उपहार भवन द्वारा आयोजित 'नशा मुक्ति एवं जन जागरण रैली' के समापन पर रेलवे स्टेशन करेली परिसर में 'नशा मुक्ति शिविर' का उद्घाटन करते हुए अभिषेक साहू,स्टेशन प्रबंधक, मनोहर ठाकुर,पूर्व पार्षद, शेख जुम्मन,वरिष्ठ नागरिक, शशि बहन,प्रतिष्ठित महिला सहित एवं नगर के अनेक गणमान्य लोगों सहित ब्र.कु. वर्षा तथा ब्र.कु. अनुपमा।

समस्तीपुर-बिहार। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर रेलवे स्टेशन परिसर में आयोजित 'व्यसनमुक्ति चित्र प्रदर्शनी' का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए अपर मंडल रेल प्रबंधक जे.के. सिंह, मंडल पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था प्रबंधक विनय कुमार, ब्र.कु. सविता बहन, ब्र.कु. कृष्ण भाई एवं प्रमुख व्यवसायी सतीश चांदना।

आगरा-आर्ट गैलरी(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ के न्यू सुरक्षा विहार कॉलोनी में बच्चों के व्यक्तित्व विकास हेतु आयोजित 'समर कैम्प' में ब्र.कु. सावित्री बहन एवं ब्र.कु. रेखा बहन ने बच्चों को मानसिक एवं शारीरिक रूप से मज़बूत बनने की विधि बताई और साथ ही साथ आध्यात्मिक एवं नैतिक प्रशिक्षण भी दिया।

हाजीपुर-राजपूत कॉलोनी(राज.)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 'मानवता के लिए योग' कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन के पश्चात् ईश्वरीय स्मृति में सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. अंजली बहन, योग प्रशिक्षक अनंत भाई तथा अन्य।

सोजत सिटी-राज.। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत बच्चों के व्यक्तित्व विकास हेतु ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय 'डिवाइन समर कैम्प' में ब्र.कु. आरती बहन व ब्र.कु. कविता बहन ने बच्चों को नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षण प्रदान किया। इस दौरान बच्चों को विभिन्न एक्टिविटीज़ कराई गई एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें विजेता बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

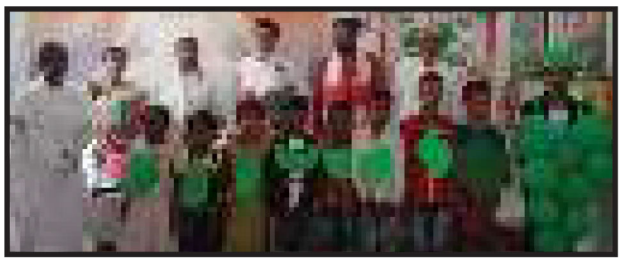

लोहरदगा-झारखण्ड। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित 'क्लीन द माइंड ग्रीन द अर्थ' विषयक कार्यक्रम में वन प्रमंडल पदाधिकारी अरविंद कुमार, फॉरेस्टर जया उरांव, सदर जिप सदस्य विनोद उरांव, संगीता मित्तल, मधु कुमारी, उप सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. आशामणि बहन तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें व बच्चे उपस्थित रहे।

ओम शान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें....

कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया
संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी,
पोस्ट बॉक्स न - 5, आबू रोड (राज.) 307510
सम्पर्क- M- 9414006096, 9414182088,
Email-omshantimedia@bkivv.org

सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक 200 रूपये, तीन वर्ष 600 रूपये, कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शांतिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

Website: www.omshantimedia.org

For Online Transfer

BANK NAME:- STATE BANK OF INDIA(SBI)
ACCOUNT NO: - 30826907041
ACCOUNT NAME:- OM SHANTI MEDIA
IFSC - CODE - SBIN0010638
BRANCH:- Prajapita Brahmakumaris Ishwariya Vishwa Vidhyalya,Shantivan
Note:- AfterTransfer send detail on
E-Mail -omshantimedia.acct@bkivv.org OR
Whatsapp, Telegram No.:- 9414172087